रजि. 2199-57 ❋ अन्धकार को क्यों धिक्कारें, अच्छा है एक दीप जलाएँ। ❋ अगस्त-सितम्बर, 2023

उजाला न्यूज़ लेटर

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड (लिटरेसी हाउस), लखनऊ

संस्थापिका : डॉ. वेल्दी एच. फिशर

वर्ष-68 अंक : 8-9

Associate Institutions: Welthy Fisher Children's Academy, Jan Shikshan Sansthan, Lucknow, Kanpur, Dehradun and State Resource Centre.

Phone: 0522-2470268, E-mail: directorilblko@gmail.com, directorlh@rediffmail.com

http://www.indialiteracyboard.org directorilblko@gmail.com india literacy board indialiteracyboard

प्रौढ़ शिक्षा तथा औपचारिक, अनौपचारिक एवं आजीवन शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य हेतु डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के द्वारा इस संस्था की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर के द्वारा शिक्षा-साक्षरता, कौशल विकास एवं कृषि विकास आदि के क्षेत्रों में दिए गए अभूतपूर्व योगदानों को दृष्टिगत रखते हुए उनके सम्मान में राष्ट्रीय स्तर के "डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार" वर्ष-2023 से उनके जन्मदिवस 18 सितम्बर पर प्रतिवर्ष दिए जाने का निर्णय लिया गया है।

इस वर्ष 'डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार' सुश्री विद्यादास को ओडीशा के पिछड़े क्षेत्र में औपचारिक, अनौपचारिक एवं आजीवन शिक्षा के क्षेत्र में तथा शिव नाडर फाउण्डेशन को उ.प्र. में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार लोकभवन स्थित मुख्य सचिव सभागार में दिनांक 18 सितम्बर, 2023 को उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र, आई.ए.एस. द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार में रुपए एक लाख, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के पदाधिकारियों एवं पुरस्कृत अतिथियों के कार्यों की सराहना की। उन्होंने शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एक साक्षर महिला अपने परिवार को ही नहीं, वरन पूरी पीढ़ी को शिक्षित एवं स्वावलम्बी बनाती है। इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष, श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने उपस्थित-जनों को संस्थान की पृष्ठभूमि से अवगत कराते हुए डॉ. फिशर के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि साक्षरता से शिक्षा एवं शिक्षा से ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है।

पुरस्कार वितरण समारोह में पद्मश्री डॉ. विद्या विन्दु सिंह, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के उपाध्यक्ष, डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम सिंह, न्यायमूति राजमणि चौहान (से.नि.), श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.), श्री विष्णु प्रताप सिंह तथा संस्थान से जुड़े वरिष्ठ कार्मिक भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रेमकान्त तिवारी ने किया। कार्यक्रम के अन्त में इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं महानुभावों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

□□□

डॉ. फिशर के 144वें जन्म-दिवस का आयोजन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन परिसर में स्थित सर्वधर्म प्रार्थना भवन में संस्थान की संस्थापिका डॉ. वेल्दी फिशर का जन्म दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष, श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.) तथा निदेशक सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.) ने डॉ. फिशर के चित्र पर माल्यार्पण किया।

तत्पश्चात इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की विभिन्न इकाइयों के अधिकारियों एवं कार्मिको ने भी डॉ. फिशर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उपस्थित धर्म गुरुओं द्वारा सर्वधर्म प्रवचन एवं प्रार्थना की गयी।

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष ने उपस्थित जनों को डॉ. फिशर के जीवन से प्रेरणा लेकर साक्षरता के प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस आयोजन में उपस्थित सभी जनो ने डॉ. फिशर के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

□□□

पुरस्कृत विभूतियों का संक्षिप्त परिचय

श्रीमती विद्या दास

श्रीमती विद्या दास विगत 35 वर्षों से अधिक समय से ओडिशा के पिछड़े क्षेत्रों में औपचारिक और गैर-औपचारिक शिक्षा, आजीवन शिक्षा, जागरूकता सृजन, कौशल विकास मानव अधिकार और प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन के क्षेत्र में जनजातीय लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उनके सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए सतत् कार्य कर रही हैं।

श्रीमती दास ने ओडिशा के आदिवासी जिले रायगड़ में जनजातीय महिलाओं में जागरुकता और क्षमता विकास के कार्य उचित मजदूरी भुगतान, आदिवासी क्षेत्रों में शराब बनाने पर प्रतिबंध एवं लघु वन उपज के संग्रह और बिक्री के लिए आदिवासी समाज को अधिकार दिलाने हेतु सतत कार्य किया।

ओडिशा के पाँच आदिवासी जिलों में कृषि और गैर-लकड़ी वन उपज की बिक्री के लिये महिला उद्यमी समूहों का गठन कराया है, जिससे 25000 से अधिक आदिवासी परिवारों को लाभ हुआ। इसके साथ ही 200 से अधिक आदिवासी गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करायी, जिससे 25000 से अधिक आदिवासी बच्चों को लाभ हुआ है।

श्रीमती दास ने अपने 'अग्रगामी' संगठन के माध्यम से आदिवासी लड़कियों के लिए अंग्रेजी स्कूल प्रारम्भ किया। इससे आसपास के 25 गाँवों में महिला साक्षरता को शून्य प्रतिशत से 85 प्रतिशत तक बढ़ाने में सफलता मिली।

अग्रगामी अंग्रेजी स्कूल के संचालन से प्राथमिक आयु वर्ग के 1500 बच्चों के पढ़ने और सीखने के स्तर में 5 से 75 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है।

श्रीमती विद्या दास द्वारा ओडिशा में जनजातीय समुदाय विशेषकर महिलाओं और बच्चों की आजीवन शिक्षा एवं महिला सश्क्तीकरण के क्षेत्र में दिये गये उत्कृष्ट योगदान के लिये उन्हें डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

❑❑❑

शिव नाडर फाउण्डेशन

शिव नाडर फाउण्डेशन (एसएनएफ) की स्थापना 1994 में एचसीएल के संस्थापक श्री शिव नाडर द्वारा की गई थी। फाउंडेशन के माध्यम से परिवर्तनकारी शिक्षा से व्यक्तियों को सशक्त बनाकर एक अधिक न्यायसंगत, योग्यता- आधारित समाज के निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है।

शिव नाडर फाउण्डेशन द्वारा 'शिक्षा इनीशिएटिव' का शुभारम्भ वर्ष 2012 में देश में ग्रामीण शिक्षा हेतु किया गया। छोटे बच्चों के समग्र विकास के लिए 'उमंग' की शुरुआत की गई। कोविड-19 के दौरान, मोबाइल साक्षरता पहल 'शिक्षा किरण' के माध्यम से शिक्षा को समुदाय के करीब ले जाया गया। फाउण्डेशन की नई पहल में शिक्षा समृद्धि हेतु 'शिक्षा आरंभ' और प्रोजेक्ट 'मॉडल स्मार्ट स्कूल' भी संचालित किए गए।

'शिक्षा इनीशिएटिव' द्वारा वर्ष 2012 से उत्तर प्रदेश के 22 जिलों के 2030 स्कूलों को आच्छादित कर 4100 शिक्षकों और 1000 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया है।

वर्ष 2016 में, 'शिक्षा प्लस' कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा इनीशिएटिव का प्रौढ़ साक्षरता के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से विस्तार किया गया। वर्तमान में 'शिक्षा प्लस' कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 3 जिलों के 350 गाँवों में संचालित है। इससे 75 प्रतिशत महिला आबादी को साक्षर बनाया गया है। जन शिक्षकों के माध्यम से वयस्क साक्षरता के उद्देश्य से सीएमएस (सामग्री प्रबंधन प्रणाली) और गैर-सीएमएस (निर्धारित पुस्तक-नई किरण के साथ अध्ययन) का उपयोग किया जाता है। 'शिक्षा प्लस' कार्यक्रम वर्तमान में उत्तर प्रदेश की 11 जेलों में भी 1050 स्नातक जेल कैदियों के साथ संचालित है। इस योजना में ग्राम पंचायत स्तर पर 8 सामुदायिक पुस्तकालय भी संचालित किए जा रहे हैं। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष (वर्ष 2023-24) में 70,000 शिक्षार्थियों को स्नातक करने का लक्ष्य रखा गया है।

शिव नाडर फाउण्डेशन द्वारा उत्तर प्रदेश में प्रौढ़ साक्षरता के क्षेत्र में दिये गये उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें डॉ. वेल्दी फिशर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

❑❑❑

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड ने उल्लासपूर्वक मनाया स्वतंत्रता दिवस

अगस्त-2023 : इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा साक्षरता निकेतन, लखनऊ परिसर में देश की आजादी का 77वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भुसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.), श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.), पूर्व अध्यक्ष इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, तथा सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.), निदेशक इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण समारोह में बोर्ड से सम्बद्ध राज्य संसाधन केन्द्र- उत्तर प्रदेश, जनशिक्षण संस्थान, लखनऊ, डॉ. वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी तथा प्रशासनिक अधिकारी सहित इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के समस्त कार्मिक भी उपस्थित हुए। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सम्मिलित स्वर में राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' का गायन किया।

इस अवसर पर डॉ. वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन्स अकादमी के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा देश-भक्ति परक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय तथा मुख्य अतिथि द्वारा साक्षरता निकेतन परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन तथा मिष्ठान्न वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। □□□

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन के वर्तमान सदस्य

1.	श्री संजय आर. भूसरेड्डी, आई.ए.एस. (से.नि.)	अध्यक्ष
2.	डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह	उपाध्यक्ष
3.	श्री एन.के.एस. चौहान, आई.ए.एस. (से.नि.)	कोषाध्यक्ष
4.	न्यायमूर्ति राजमणि चौहान (से.नि.)	सदस्य
5.	पद्म भूषण एवं पद्मश्री श्री चण्डी प्रसाद भट्ट	सदस्य
6.	श्री जी. पटनायक, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य
7.	श्री भानू प्रताप सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)	सदस्य
8.	डॉ. उर्वशी साहनी	सदस्य
9.	श्री विष्णु प्रताप सिंह	सदस्य
10.	सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य
11.	कृषि उत्पादन आयुक्त, उ.प्र. शासन	सदस्य
12.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन	सदस्य
13.	कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	सदस्य
14.	कुलपति, जी.बी. पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी वि.वि., पंतनगर	सदस्य
15.	कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. वि.वि., कानपुर	सदस्य
16.	कुलपति, नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय, अयोध्या	सदस्य
17.	अध्यक्ष, भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
18.	सुश्री सुषमा ढौडियाल, वरिष्ठ सहायक (प्रशासन)	वरिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
19.	श्री ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पुस्तकालय सहायक	कनिष्ठ स्टाफ प्रतिनिधि
20.	सुश्री सन्ध्या तिवारी, आई.ए.एस. (से.नि.)	सदस्य-सचिव

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र., इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन लखनऊ और साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय, उ.प्र. के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह का आयोजन कानपुर रोड स्थित साक्षरता निकेतन परिसर में दिनांक 08 सितम्बर, 2023 को किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पद्मश्री विभूषित डॉ. विद्याबिन्दु सिंह जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्तमान समय में असाक्षरों को साक्षर करने के साथ ही व्यवसायिक साक्षरता तथा जीवन मूल्यों को भी सिखाने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस प्रकार गाँवों में पुरुषों की चौपालें लगती हैं उसी प्रकार महिलाओं की भी चौपालें होनी चाहिए। शिक्षित होना देश के हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। इससे कोई वंचित नहीं रहना चाहिए।

साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशालय, उ.प्र. के उपनिदेशक श्री शम्भुभान सिंह ने प्रदेश में संचालित नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति को प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश के हर जिले की लोकभाषाओं, वहाँ की आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक एवं भौगोलिक परिस्थितियों को जोड़ते हुए साक्षरता कार्यक्रम को संचालित किया जाना चाहिए।

स्टडी हॉल एजूकेशनल फाउण्डेशन के ज्ञानसेतु कार्यक्रम की अध्यक्ष सुश्री तन्मय चतुर्वेदी ने कहा कि साक्षरता सिर्फ अक्षर ज्ञान तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि असाक्षर लाभार्थियों को साक्षरता के साथ-साथ व्यावहारिक रूप से कौशल विकास से भी जोड़ा जाना चाहिए, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार किया जा सके। जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने अपने सम्बोधन में साक्षरता और कौशल को एक नई दिशा देते हुए असाक्षरों को साक्षर करने के साथ ही साथ उनमें निहित कौशल को देखते हुए उन्हें हुनरमंद बनाने पर बल दिया। इस अवसर पर राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र.-इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के एसोसिएट प्रोग्राम कोआर्डिनेटर व प्रशासनिक अधिकारी श्री दिनेश सिंह ने साक्षरता के क्षेत्र में अपने संस्थान द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों, उपलब्धियों व योगदान पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के समापन पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड/राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. की निदेशक, सुश्री सन्ध्या तिवारी आई.ए.एस.(से.नि.) ने समारोह के मुख्य अतिथि/अन्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने डॉ. वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन एकेडमी के छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी छात्र अच्छे शिक्षक हो सकते हैं, वह अपने घर के असाक्षर अभिभावकों व अपने आस-पास के असाक्षरों को साक्षर कर सकते हैं। इस प्रकार हर छात्र किसी एक असाक्षर को अवश्य साक्षर करे।

इस अवसर पर इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार श्री प्रवीन टण्डन, विशेष कार्याधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी श्री सुधाकर मान सिंह, वेल्दी फिशर चिल्ड्रेन एकेडमी की प्रधानाचार्या सुश्री शालिनी सक्सेना, लेखाधिकारी श्री रमणीक अस्थाना, लेखाकार नरेन्द्र जीत सिंह, तथा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के समस्त इकाईयों/अनुभागों के कार्मिक भी उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन श्री रामचन्द्र यादव, समन्वयक, कौशल विकास/एन.आई.ओ.एस./एन.एस.एस. द्वारा किया गया। □□□

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. द्वारा चयनित प्रेरकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र.– इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ द्वारा जिला-सीतापुर ब्लॉक-सिधौली के न्याय पंचायत मऊ में संचालित साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत चयनित किए गए 30 प्रेरकों का एकदिवसीय प्रशिक्षण दिनांक 05.09.2023 को ब्लॉक संसाधन केन्द्र, सिधौली में सम्पन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण में राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. के विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के द्वारा प्रेरकों को नई किरन प्रवेशिका के माध्यम से असाक्षर लाभार्थियों को सरल तरीके से साक्षर करने की तकनीकी जानकारी दी गई। इन सभी प्रेरकों के द्वारा छः माह में अपने-अपने ग्राम पंचायत व मजरों में पठन-पाठन सामग्री के माध्यम से असाक्षर लाभार्थियों को साक्षर किए जाने का लक्ष्य है।

राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र./इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के द्वारा कुल 645 असाक्षरों को साक्षर किये जाने हेतु पठन-पाठन सामग्री सभी प्रेरकों को उपलब्ध करा दी गई है। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में सिधौली ब्लॉक के खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा उनके स्टॉफ के द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 प्रेरकों के अतिरिक्त न्याय पंचायत कोआर्डिनेटर श्री ओम प्रकाश मौर्य, शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा राज्य संसाधन केन्द्र, उ.प्र. के प्रशासनिक अधिकारी श्री दिनेश सिंह, नोडल अधिकारी श्री अनूप कुमार श्रीवास्तव एवं लेखाकार श्री नरेन्द्र जीत सिंह निगम आदि भी मौजूद रहे।

नवाबगंज, जनपद उन्नाव में साक्षरता परीक्षा सम्पन्न– राज्य संसाधन केन्द्र उ.प्र. द्वारा स्टडी हॉल एजुकेशन फाउन्डेशन, लखनऊ के सहयोग से जनपद उन्नाव के नवाबगंज ब्लाक में दिनांक 21.08.2023 को साक्षरता परीक्षा सम्पन्न कराई गई। यह परीक्षा स्वयं सेवक शिक्षकों के माध्यम से द्वितीय व तृतीय चरण में साक्षर किए गए लाभार्थियों के मध्य सम्पन्न हुई।

इस परीक्षा में 32 ग्राम पंचायतों के 747 लाभार्थी सम्मिलित हुए। ब्लॉक कोआर्डीनेटर प्रथम श्री विन्द्रा प्रसाद ने 17 ग्राम पंचायतों तथा ब्लाक कोआर्डीनेटर द्वितीय श्री रजनीकान्त द्वारा 15 ग्राम पंचायतों हेतु राज्य संसाधन केन्द्र से टेस्ट पेपर प्राप्त कर अपने-अपने ग्राम पंचायतों में प्रेरकों को यथासमय उपलब्ध करा दिए गए थे। इस प्रकार यह परीक्षा ब्लाक कोआर्डीनेटर तथा प्रेरकों के सहयोग से सफलतापूर्वक सम्पन्न कराई गई।

ऐशबाग वार्ड में साक्षरता कार्यक्रम– इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ द्वारा नगर निगम लखनऊ के ऐशबाग वार्ड में दो साक्षरता कार्यक्रमों के संचालन का शुभारम्भ किया गया। छः माह की अवधि के यह साक्षरता कार्यक्रम दिनांक 16 अगस्त 2023 से प्रारम्भ होकर दिनांक 16 फरवरी 2024 तक चलेंगे। इसमें 20-20 महिला एवं पुरूषों के समूह को नई किरन प्रवेशिका के माध्यम से साक्षर किया जाएगा।

पुरुष साक्षरता केन्द्र का संचालन श्री सैयद रिज़वी तथा महिला साक्षरता केन्द्र का संचालन सुश्री जेबा फातिमा प्रेरक द्वारा किया जा रहा है। सभी असाक्षर लाभार्थियों को पंजीकृत कर उन्हें पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध कराते हुए साक्षरता कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ कर दिया गया है।

□□□

कृषि प्रक्षेत्रों पर नैनो डी.ए.पी. का प्रदर्शन

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष संजय आर. भूसरेड्डी, आई. ए. एस. (से.नि.) के प्रयासों से इण्डियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफ्को) के सहयोग से स्थानीय कृषकों को नैनो डी.ए.पी. तथा नैनो यूरिया के लाभ से परिचित कराने के उद्देश्य से लिटरेसी बोर्ड के बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्रों पर नैनो डी.ए.पी. एवं नैनो यूरिया का प्रदर्शन किया गया।

उल्लेखनीय है कि कृषि में अधिक पैदावार प्राप्त करने के लिए रासायनिक उर्वरकों के बहुतायत से प्रयोग किए जाने के कारण भूमि की उपजाऊ शक्ति तो प्रभावित हो ही रही है साथ ही पर्यावरण प्रदूषण भी बढ़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए इफ्को द्वारा नैनो तकनीक का प्रयोग कुछ वर्ष पूर्व प्रारम्भ किया गया है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता है और यह पर्यावरण के लिए भी पूर्णतः सुरक्षित है। अभी इस नैनो यूरिया और डी. ए.पी. के लाभों से किसान पूर्णतः परिचित नहीं है। इसलिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड द्वारा इफ्को के सहयोग से यह प्रदर्शन किया गया है।

□□□

कृषि प्रक्षेत्रों पर गन्ने की खेती का अभिनव प्रयास

इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष संजय आर. भूसरेड्डी, आई. ए. एस. (से.नि.) के प्रयासों से बलरामपुर चीनी मिल्स की हैदरगढ़, बाराबंकी इकाई के सहयोग से संस्था के बिजनौर एवं नीवां कृषि प्रक्षेत्रों पर प्रयोगिक रूप से गन्ने की खेती प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है। गन्ना विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा भी इस कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया जा रहा है। प्रथम वर्ष में 12 एकड़ क्षेत्रफल में गन्ने की खेती किया जाना लक्षित है। गन्ना उत्पादन के इस कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कृषकों को प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन के माध्यम से गन्ने की खेती को अंगीकृत करने हेतु प्रेरित

किया जाएगा, जिससे क्षेत्र में गन्ने की फसल के उत्पादन में वृद्धि होगी तथा किसानों को आर्थिक लाभ होगा।

□□□

जन शिक्षण संस्थान, लखनऊ की गतिविधियाँ

अंकपत्र एवं आर्टीजन कार्ड वितरण– जन शिक्षण संस्थान (सा.नि.) लखनऊ द्वारा पी.एम.के.वी.वाई. प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके लाभार्थियों को अंक पत्र वितरित किए गए। इसी क्रम में जे.एस.एस. के लाभार्थियों को आर्टीजन कार्डों का वितरण किया गया। इसके साथ ही इच्छुक लाभार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु बैंकर्स एवं उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित कर सरकार की योजनाओं से लाभ लिए जाने हेतु प्रेरित किया गया। यह बैठक/कार्यशाला इण्डिया लिटरेसी बोर्ड के अध्यक्ष श्री संजय आर. भुसरेड्डी की अध्यक्षता में हुई। इसमें अग्रणी बैंक के प्रबन्धक सहित यूको बैंक, पी.एन.बी., बैंक आफ इण्डिया, स्टेट बैंक आफ इण्डिया, यूनियन बैंक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, कर्नाटक बैंक, इण्डियन बैंक, एच.डी.एफ.सी. एवं यस बैंक के प्रबन्धकों ने लाभार्थियों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इसी क्रम में अध्यक्ष महोदय के निर्देशन में 23 लाभार्थियों को ऋण दिलाकर उनका स्वरोजगार स्थापित कराया गया।

15 अगस्त 2023– के अवसर पर संस्थान द्वारा राजकीय बाल गृह एवं प्रियदर्शनी कला केन्द्र सहादतगंज में मेरी माटी, मेरा देश एवं आजाद भारत थीम पर पेन्टिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई और विभिन्न केन्द्रों पर ध्वजारोहण तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

मेंहदी कला प्रदर्शन का आयोजन– संस्थान द्वारा रक्षा बन्धन के उपलक्ष्य में साक्षरता निकेतन परिसर व काशीराम तिराहा अलीनगर में मेंहदी कला प्रदर्शन एवं उत्पाद विक्रय शिविर का अयोजन किया गया। संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी श्री अवधेश कुमार द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को संस्थान से प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वावलम्बी बनने हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम मिश्रा, लेखाकार श्री आई.पी.गुप्ता सहित अनेक लाभार्थी व प्रशिक्षक भी उपस्थित हुए।

शिक्षक सम्मान समारोह– संस्थान द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों पर कार्यरत प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया। संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने प्रशिक्षकों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस क्रम में प्रशिक्षिका अंचला देवी, सरिता राठौर, सौरभ सिंह चौहान, केतकी देवी, निशा यादव, राजेश्वरी, शिप्रा श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया।

हिन्दी दिवस– इस अवसर पर संस्थान द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं गोष्ठी का अयोजन वर्चुअल मोड में किया गया। प्रतिभागियों ने काव्य पाठ किया। संस्थान के निदेशक श्री सौरभ कुमार खरे ने अपने सम्बोधन में कहा कि हर भारतीय नागरिक के लिए हिन्दी दिवस अत्यन्त महत्वपूर्ण है। विविधताओं से भरे हमारे देश भारत में अलग-अलग भाषा और बोली के लोग रहते हैं। हमारी हिन्दी भाषा ही है जो देश के सभी लोगो को एकता के सूत्र में पिरोती है। इस अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी, प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों ने भी अपने विचार रखे।

जन शिक्षण संस्थान, कानपुर की गतिविधियाँ

अगस्त, 2023– जन शिक्षण संस्थान, कानपुर ने माह अगस्त में 77वें स्वतंत्रता दिवस का कार्यक्रम उल्लासपूर्वक आयोजित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम कानपुर के सम्पदा प्रभारी श्री अतिश दीपांकर ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यालय परिसर में झण्डा रोहण किया। निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने 15 अगस्त के महत्व को बताते हुए लगभग 75 प्रतिभागियों को हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत झण्डा वितरित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रगान के पश्चात संस्थान के प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रतिभागियों ने देशगीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर श्री कमल किशोर श्रीवास्तव, डॉ0 सुनील शुक्ला, श्री मनोज कुमार पाण्डेय, रूचि गुप्ता, निशात फातिमा, शिखा शर्मा तथा प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए।

प्रमाण पत्र वितरण– दिनांक 22 अगस्त को संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस आयोजन में मुख्य अतिथि, पंजाब नेशनल बैंक, सिविल लाइन्स, कानपुर के शाखा प्रबन्धक, श्री विपिन तिवारी ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए स्वरोजगार हेतु सरकार की अनेक योजनाओं की जानकारी भी प्रदान किया।

सरकारी योजनाओं की जानकारी– प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार प्रारम्भ करने के लिए पूँजी की आवश्यकता होती है। उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कम ब्याज दर पर किस प्रकार और कहाँ से ऋण प्राप्त हो सकता है यह जानकारी दिए जाने हेतु संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक ने बैंक के अधिकारियों के साथ दिनांक 22 अगस्त, 2023 को एक बैठक आयोजित किया। इसमें प्रतिभागियों को बैंक के शाखा प्रबन्धक महोदय द्वारा ऋण प्राप्त करने के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

मेंहदी स्टाल का आयोजन– रक्षा बन्धन की पूर्व संध्या पर संस्थान द्वारा संचालित ब्यूटी केयर प्रशिक्षण के प्रशिक्षक के सहयोग से प्रशिक्षणार्थियों द्वारा एक मेंहदी स्टाल का आयोजन दिनांक 30.अगस्त 2023 को किया गया। इस आयोजन में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मेंहदी लगाकर लगभग 2200 रूपये की आय अर्जित की गई।

शिक्षक दिवस का आयोजन– दिनांक 05 सितम्बर, 2023 को शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्थान कार्यालय परिसर में विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षकों को पुष्प-गुच्छ प्रदान कर उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम संस्थान के निदेशक महोदय ने महान शिक्षाविद् डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इसके पश्चात उपस्थित प्रतिभागियों ने शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने विचार प्रकट किए।

हिन्दी दिवस– जन शिक्षण संस्थान कार्यालय परिसर में हिन्दी दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के निदेशक ने हिन्दी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी के विकास के लिए इसके अधिकाधिक प्रयोग

की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी एवं प्रशिक्षिका सुश्री शिखा वर्मा तथा सुश्री निशात ने भी अपने विचार रखे।

संस्थापिका जन्म दिवस– दिनांक 18 सितम्बर 2023 को इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन लखनऊ की संस्थापिका डॉ. वेल्दी हॉनसिंगर फिशर का जन्म दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस आयोजन में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री सुशील कुमार पाठक सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन लखनऊ के प्रार्थना भवन में आयोजित किया गया।

सफलता की कहानी– जन शिक्षण संस्थान, कानपुर से प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों ने पी.एम. स्वनिधि योजना के अन्तर्गत ऋण प्राप्त कर स्वयं का रोजगार स्थापित करने में सफलता प्राप्त की। इस क्रम में सर्व प्रथम सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त सुश्री निशात पुत्री श्री जुग्गन, कच्ची बस्ती जूही नहरिया कानपुर, ब्यूटी एण्ड वेलनेस में प्रशिक्षण प्राप्त सुश्री शिखा शर्मा, कच्ची बस्ती काकादेव कानपुर, तथा टू-व्हीलर मैकेनिक का प्रशिक्षण प्राप्त श्री सुजल वर्मा पुत्र श्री विजय कुमार वर्मा, लक्ष्मी पुरवा कानपुर ने स्वनिधि योजना में ऋण प्राप्त कर अपना रोजगार स्थापित किया। यह सभी स्वरोजगार से प्राप्त आमदनी से अपने परिवार की आर्थिक रूप से मदद करने में सक्षम बन रहे हैं। ❑❑❑

जन शिक्षण संस्थान, देहरादून की गतिविधियाँ

स्वच्छता पखवाड़ा– जन शिक्षण संस्थान, देहरादून द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 16 जुलाई, 2023 से दिनांक 31 जुलाई 2023 तक जनपद के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर गोष्ठी, पौधारोपण, स्वच्छता पर चर्चा, व्यक्तिगत हाईजीन, कचरा प्रबन्ध, प्लास्टिक के प्रयोग से नुकसान, अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्राणायाम, खुले में शौच के दुष्परिणाम, कपड़े अथवा जूट के थैलों का प्रयोग, ग्लोबल वार्मिंग, जल प्रबन्धन, वर्मी कम्पोस्ट आदि विषयों पर विशेषज्ञों, प्रधान प्रतिनिधि एवं संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। इसी क्रम में शान्तिकुश आश्रम के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जी के नेतृत्व में श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर आश्रम के सभी जनों एवं जन शिक्षण संस्थान के कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता श्रमदान कार्य में हिस्सा लिया और परिसर में पौधारोपण भी किया।

गणतंत्र दिवस आयोजन– संस्थान द्वारा गणतंत्र दिवस का अयोजन जन शिक्षण संस्थान कार्यालय परिसर में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संस्थान के विभिन्न प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त

कर रहे प्रतिभागी भी उपस्थित हुए। ध्वजारोहण के पश्चात प्रतिभागियों द्वारा देशगीत प्रस्तुत किए गए। संस्थान के निदेशक के साथ ही कार्यक्रम अधिकारी ने भी स्वतंत्रता सेनानियों की गौरव गाथा पर प्रकाश डाला और आपसी सद्भाव तथा देश की सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। अन्त में उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मिष्ठान्न वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

शिक्षक दिवस– इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया। संस्थान के निदेशक श्री इन्द्रजय सिंह असवाल ने

उजाला न्यूज़ लेटर

वर्ष-68, अंक : 8-9
अगस्त-सितम्बर, 2023

संजय आर भूसरेड्डी
आई.ए.एस. (से.नि.)
अवैतनिक अध्यक्ष, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सन्ध्या तिवारी,
आई.ए.एस. (से.नि.)
निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड
साक्षरता निकेतन, लखनऊ।

सम्पादक
सुधीर कुमार श्रीवास्तव

सम्पादकीय सम्पर्क
सम्पादक, उजाला
साक्षरता निकेतन, पोस्ट-मानस नगर,
कानपुर रोड, लखनऊ-226023
दूरभाष : (0522) 2470268
ई-मेल : ujalamasik1957@gmail.com

कम्पोजिंग एवं डिजाइनिंग
गुड्डू प्रसाद

प्रकाशित लेखों में व्यक्त किए गए विचारों से सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है।

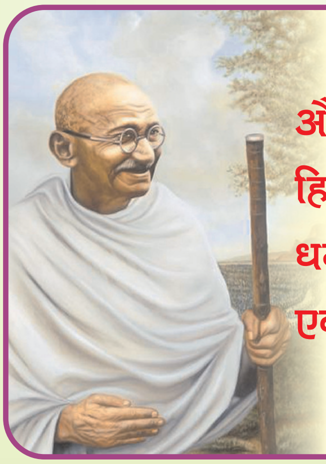

भारतीय संस्कृति और हमारी मातृ भाषा हिन्दी ही भिन्न-भिन्न धर्म और सम्प्रदायों को एक सूत्र में पिरोती है।

- महात्मा गाँधी

उपस्थित प्रशिक्षकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक ही समाज को नई दिशा देकर एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है। इस अवसर पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

हिन्दी दिवस- जन शिक्षण संस्थान देहरादून ने दिनांक 14 सितम्बर 2023 को हिन्दी दिवस के अवसर पर कार्यालय परिसर में हिन्दी के विकास पर चर्चा आयोजित किया। इसमें संस्थान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थी एवं प्रशिक्षकों ने पूर्ण मनोयोग से अपनी सहभागिता की और हिन्दी की महत्ता पर अपने विचार प्रकट किए। संस्थान के निदेशक ने कहा कि हिन्दी हमारी मातृभाषा है और अपनी मातृभाषा में हम अपने विचार बड़ी सुगमता से प्रकट कर सकते हैं। हिन्दी भाषा हमारे देश को एकता के सूत्र में बाँधने की सशक्त कड़ी है।

कौशल दीक्षांत समारोह- दिनांक 17.09.23 के दिन भगवान विश्वकर्मा दिवस के अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के निर्देश पर कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन विकासनगर विकासखण्ड के मुख्य सभागार में किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि माननीय जिला पंचायत अध्यक्षा, जनपद देहरादून श्रीमती मधु चौहान जी, विकास खण्ड विकासनगर के ब्लॉक प्रमुख सरदार जसविन्दर जी, जन शिक्षण संस्थान, देहरादून के कार्यकर्ता, महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्षा श्रीमती मधु राघव जी, समाजसेवी श्रीमती ऋतु ठाकुर जी, संदर्भदाता श्रीमती श्यामादेवी व विगत वर्ष 2022-23 के सफल प्रशिक्षणार्थी व स्थानीय महिलाएँ उपस्थित हुईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा. जिला पंचायत अध्यक्षा द्वारा सफल प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना : संक्षिप्त जानकारी

बीमा का तात्पर्य बीमा पालिसी के द्वारा बीमित व्यक्ति अथवा वस्तु के सम्भावित नुकसान की भरपाई का प्रयास करना है। इस प्रकार बीमा जोखिम से सुरक्षा प्रदान करता है। उदाहरण के लिए यदि किसी कम्पनी द्वारा किसी व्यक्ति के जीवन का, उसके घर एवं घर की वस्तुओं का अथवा फसल आदि का बीमा किया गया है तो उस वस्तु के सापेक्ष होने वाली क्षति की दशा में बीमा कम्पनी उस वस्तु अथवा व्यक्ति के उत्तराधिकारी को निर्धारित शर्तों के अनुसार मुआवजा प्रदान करेगी।

वाहन एवं मकान का बीमा, पशु एवं फसल का बीमा, स्वास्थ्य बीमा आदि को साधारण बीमा (General Insurance) के अन्तर्गत सम्मिलित किया जाता है। बीमित वस्तु का नुकसान होने पर उसका निर्धारित दर से सम्पूर्ण हर्जाना बीमा कम्पनी को देना होता है। इसके लिए बीमा कम्पनी बीमा कराने वाले व्यक्ति से उसके जीवन बीमा अथवा उसकी वस्तु के लिए किए गए बीमा के लिए एक निर्धारित दर से प्रीमियम लेती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना : इस योजना का प्रारम्भ वर्ष 2016 में किया गया। वर्तमान समय में यह विश्व की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना है। इस योजना के अन्तर्गत प्रति वर्ष लगभग पाँच करोड़ से अधिक किसान अपनी फसल का बीमा के लिए पंजीकरण कराते हैं। योजना के अन्तर्गत कम प्रीमियम पर अधिकाधिक लाभ प्राविधानित किया गया है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत किसान अतिवृष्टि, ओला, पाला, भीषण गर्मी के कारण सूखा आदि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। उत्तर प्रदेश में इस योजना के अन्तर्गत अब मौसम के जोखिम प्रारम्भ होने से एक दिन पहले तक भी बागवानी एवं फसलों आदि का बीमा कराया जा सकता है। इससे किसान अपने अनाज, दलहन और तिलहन सहित खाद्यान्न और बागवानी आदि सभी प्रकार की फसलों का बीमा कराके प्राकृतिक आपदा के कारण होने वाले जोखिम के सापेक्ष अपने आर्थिक नुकसान की यथासम्भव भरपाई कर सकते हैं।

फसल बीमा के लिए आवश्यक दस्तावेज : किसान को अपनी फसल का बीमा कराने के लिए निम्न आवश्यक दस्तावेजों की आवश्यकता होती है-
(1) बीमा कराने के प्रस्ताव का पत्र। (2) भू-अधिकार पुस्तिका की फोटोकापी। (3) सम्बन्धित पंचायत सचिव से फसल बोवाई का प्रमाण पत्र। (4) आधार कार्ड अथवा वोटर आई.डी.। (5) पैन कार्ड (6) बैंक पासबुक की फोटोकापी आदि।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए किसान आधिकारिक वेबसाइट पर तथा किसान क्रेडिट कार्ड धारक किसान बैंक के शाखा प्रबन्धक से, जन सेवा केन्द्रों (सीएससी सेन्टर) अथवा सम्बन्धित जिला के कृषि अधिकारी से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर अपनी फसल को बीमित करा सकते हैं। किसान काल सेन्टर के टोल फ्री नम्बर 18001801551 पर भी वांछित सहायता प्राप्त की जा सकती है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का क्लेम- इस योजना के अन्तर्गत अपनी फसल के प्रति क्लेम प्राप्त करने के लिए किसानों को अपनी फसल खराब होने की दशा में सबसे पहले कृषि विभाग को जानकारी देनी होती है। यह जानकारी सम्बन्धित कृषि अधिकारी को 72 घंटे के अन्दर देनी होती है। इसके पश्चात अपने आवेदन निर्धारित फार्म में भरकर, फसल खराब होने के कारण, कितने क्षेत्रफल में कौन सी फसल बोई गई थी आदि बातों का उल्लेख करना होता है। इसके साथ ही बीमा पालिसी की फोटोकापी संलग्न करना होता है।

□□□

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सन्ध्या तिवारी, निदेशक, इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, साक्षरता निकेतन, लखनऊ द्वारा इण्डिया लिटरेसी बोर्ड, लखनऊ के लिए इण्डिया लिटरेसी बोर्ड की वेबसाइट- www.indialiteracyboard.org पर ई-उजाला न्यूज़ लेटर के रूप में प्रकाशित।
सम्पादक : सुधीर कुमार श्रीवास्तव